वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 220 | सोमवार 5 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान पहुंची भारत जोड़ो यात्रा

गहलोत-पायलट ने हाथ पकड़कर किया डांस; राहुल बोले- RSS के लोगों से नफरत नहीं करता

जयपुर. कासं

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो' यात्रा रविवार शाम को झालावाड़ जिले से राजस्थान में प्रवेश कर चुकी है। सीएम अशोक गहलोत, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट सहित सरकार के कई मंत्री और बड़े नेताओं ने एमपी बॉर्डर स्थित चंवली चौराहे पर राहुल गांधी की अगवानी की। रविवार शाम वेलकम सभा में राहुल गांधी का सहरिया नृत्य के साथ स्वागत किया गया। मंच पर हो रहे इस नृत्य को देखकर राहुल गांधी भी अशोक गहलोत, कमलनाथ और सचिन पायलट के साथ डांस करने लगे। इस दौरान सचिन पायलट और अशोक गहलोत ने एक-दूसरे का हाथ पकड़कर साथ में डांस किया। आज राजस्थान में यात्रा चंवली चौराहे पर ही रुक गई। यात्रा का रात्रि विश्राम यहीं होगा। वेलकम सभा को संबोधित करते हुए राहुल ने

कहा कि हर राज्य, हर शहर, हर गांव ने यात्रा को खूब मदद की। लोगों को एक पैसा नहीं देना पड़ा। हिंदुस्तान की जनता ने यात्रा को खूब प्यार दिया। राहुल गांधी ने कहा कि मैं भाजपा-आरएसएस का डर लोगों के दिल से निकालना चाहता हूं। मैं उनसे नफरत नहीं करता हूं। मैं उन्हें देश में नफरत और डर फैलाने नहीं दूंगा। राहुल गांधी ने कहा कि मध्य प्रदेश को छोड़कर दुख हो रहा है, लेकिन राजस्थान में आकर खुशी हो रही है। हवाई जहाज से हिंदुस्तान समझ नहीं आता, फटे हुए हाथ वाले किसान से हाथ मिलाने पर ही समझ आता है।

देवस्थान विभाग के मंदिरों में धूमधाम से मनाया व्यंजन द्वादशी उत्सव

जयपुर. कासं। देवस्थान विभाग ने व्यंजन द्वादशी के अवसर पर प्रदेश के 8 मंदिरों में छप्पन भोग झांकी एवं प्रसाद वितरण कर उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया। रसिक बिहारी जी मंदिर नैयनी बाई जोधपुर, बृज निधि जी मंदिर चांदनी चौक जयपुर, मथुराधीष जी मंदिर अलवर, बिहारी जी का मंदिर किला भरतपुर, श्री जगदीश जी मंदिर, जगदीश जी चौक उदयपुर, श्री रामचन्द्र जी मंदिर, कोटा, श्री लक्ष्मीनाथ जी मंदिर, बीकानेर, श्री मदनमोहन जी मंदिर, किशनगढ़, अजमेर के मंदिरों में पर्व को धूमधाम से मनाया गया। देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत ने प्रदेशवासियों को व्यंजन द्वादशी की शुभकामनाएं भी दी।

मुनि श्री अजितसागर जी महाराज ससंघ का आगरा में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

आगरा. शाबाश इंडिया

रविवार को संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक मुनि श्री अजित सागर जी महाराज ससंघ का प्रथम बार आगरा के छीपीटोला स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर की पावनधरा पर प्रथम बार भव्य मंगल प्रवेश हुआ । मुनिसंघ पथौली से मंगल विहार करते हुए छीपीटोला चौराहे पर पहुंचे जहां पर सैकड़ों श्रद्धालुओं द्वारा भव्य शोभायात्रा के साथ जैन भवन छीपीटोला पहुंचे जहां मुनि संघ की भव्य अगवानी की। इसके बाद मुनि संघ बैंड बाजों के साथ निर्मल सेवा सदन में पहुंचे जहां पर छीपीटोला सकल दिगंबर जैन समाज ने मुनिसंघ का पाद प्रक्षालन किया । इस अवसर पर सौभाग्यशाली भक्तों ने मुनिसंघ को शास्त्र भेंट एवं श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त कियो इस दौरान मुनि संघ के मंगल प्रवचन भी हुए। कार्यक्रम का संचालन सत्येंद्र जैन द्वारा किया गया। मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि मुनिसंघ के मंगल सानिध्य में आगरा के राहुल विहार जैन मंदिर में 10 दिसंबर से 15 दिसंबर के मध्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस अवसर पर आगरा दिगंबर जैन परिषद के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद जैन,मनोज बाकलीवाल, प्रदीप जैन,निर्मल मौठया हीरालाल बैनाड़ा,दीपक जैन, राहुल जैन,अभिषेक जैन,राजेश सेठी,अमित जैन,सुनील जैन, प्रशांत जैन,समस्त समग्र आगरा जैन समाज बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। संकलनः अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी

विहार यात्रा में पूज्य समकितमुनिजी का आचार्य सुनील सागर जी से आध्यात्मिक मिलन

पूज्य समकितमुनिजी म.सा. पहुंचे चन्दवाजी, सोमवार सुबह करेंगे मनोहरपुर के लिए विहार

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

जयपुर। आगम मर्मज्ञ, प्रज्ञामहर्षि पूज्य समकितमुनिजी म.सा., प्रेरनाकुशल भवान्तमुनिजी मसा, गायनकुशल जयवन्तमुनिजी मसा आदि ठाणा का

रविवार को आमेर से आगे कुकस रोड पर कोठारी फार्म हाउस से मंगलविहार किया। विहार यात्रा में पूज्य समकितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा का दिगम्बर जैन आचार्य सुनील सागर जी से आध्यात्मिक मिलन हुआ। संतो ने परस्पर अभिवादन करने के साथ एक-दूसरे के लिए मंगलकामनाये की। इस दौरान श्रावक-श्राविकाओ ने भी संतो का वंदन-अभिनन्दन किया। पूज्य समकितमुनिजी रविवार सुबह विहार कर अचरोल पहुंचे।

श्री महावीर जी फिचर फिल्म के पोस्टर का हुआ विमोचन

श्री महावीर जी. शाबाश इंडिया। भगवान महावीर पर बनी फिचर फिल्म श्री महावीरजी का श्री महावीरजी में महा मस्तकाभिषेक महोत्सव के दौरान आज प्रदर्शन किया गया। दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी पर निर्मित इस फिचर फिल्म के निमार्ता शैलेंद्र जैन इंदौर, जेके जैन कालाडेरा, लेखक व निर्देशक शशांक जैन, स्क्रीनप्ले दीपक जैन, डीओपी गोपाल तंवर, म्यूजिक डायरेक्टर केशव कुंडल, एक्सक्लूसिव प्रोड्यूसर सौरभ जैन, पी आर ओ सारिका जैन, प्रोडक्शन कंट्रोल लक्की जैन, एनिमेशन अमर सिंह द्वारा श्री महावीरजी क्षेत्र पर बनाई गई फीचर फिल्म के पोस्टर का विमोचन आचार्य वर्धमान सागर जी के सानिध्य में प्रबंध कार्यकारिणी कमेटी द्वारा किया गया। शाम को फीचर फिल्म का प्रदर्शन विशाल पंडाल में एलईडी पर हजारों लोगों ने देखकर पिक्चर को सराहना की । निर्माता जेके जैन ने कहा की इस पिक्चर में गांव में रहने वाले लोगों को व विदेशों में कार्यरत नवयुवक के जीवन पर साथ ही चंदनपुर वाले बाबा के चमत्कार अतिशय व क्षेत्र पर उनकी कृपा को दशार्या गया है। इस फिल्म को पूरे भारतवर्ष में जल्दी ही रिलीज किया जाएगा।

अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण महासभा की बैठक व स्नेह मिलन समारोह आयोजित हुआ

रोहित जैन. शाबाश इंडिया।

नसीराबाद। अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण महासभा, शिक्षा निधि, युवा महासभा, महिला प्रकोष्ठ की बैठक एवं दीपावली स्नेह मिलन रविवार को वैष्णव छात्रावास अजमेर में आयोजित किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय वैष्णव ब्राह्मण महासभा अजमेर के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम सुंदर वैष्णव हरिद्वार व युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष उत्तम वैष्णव ताजपुरा, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विष्णु प्रकाश वैष्णव ठेकेदार, पीआर स्वामी, राकेश स्वामी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड , सुभाष वैष्णव खोडा गणेश , किशन वैष्णव तिहारी, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू वैष्णव के आतिथ्य में हुआ। कार्यक्रम में शिक्षा निधि व महासभा की ईकाइयों के गठन करने पर चर्चा, तथा वैष्णव मार्तण्ड पत्रिका के 75 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य आयोजन को लेकर रुपरेखा बनाने पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया एवं पत्रिका के नये सदस्य बनाने व आगामी आयोजन के हरिद्वार मे 4 व 5 फरवरी को कार्यक्रम रखने की सहमति प्रदान की गई । साथ ही मार्तण्ड के व्यापक प्रचार प्रसार करने के सम्बन्ध मे चर्चा की गई। कार्यक्रम मे पूर्व संपादक हर नारायण वैष्णव, बिरदीचंद वैष्णव केकडी, गोपाल वैष्णव कादेडा, बीके बैरागी भीलवाड़ा, बालमुकुंद वैष्णव कटार, वीणा अग्रावत,कौशल्या देवी वैष्णव, गंगा देवी पीसांगन , ओमप्रकाश वैष्णव बदनोर, अखिलेश वैष्णव आसींद, श्रवण कुमार बाड़मेर, रामलाल लिडी, रामगोपाल वैष्णव बिडक्कावास, अमर चंद वैष्णव सरेरी, पत्रकार रामकिशन वैष्णव बिजयनगर, मुकेश वैष्णव देराठू, परमेश्वर टीलावत, गणेश वैष्णव केकडी, अक्षय वैष्णव बारणी , सुरेन्द्र वैष्णव देराठू, सहित महासभा के प्रदेश व जिला स्तरीय पदाधिकारी, महिला प्रकोष्ठ, पत्रकारगण आदि मौजूद थे ।

विधान महोत्सव का रथोत्सव के साथ हुआ समापन

रत्नेश जैन बकस्वाहा. शाबाश इंडिया

घुवारा। अष्ट दिवसीय श्री सिद्धचक्र महामण्डल विधान का समापन विश्व शांति महायज्ञ एवं श्रीजी की विशाल भव्य शोभायात्रा व रथोत्सव के साथ किया गया। घुवारा जैन मंदिर

कमेटी के शाह रमेश चंद्र, शाह पदम चंद्र ने बताया कि आर्यिका श्री विज्ञानमति माताजी ससंघ के मंगल सानिध्य एवं विधानाचार्य पं. शुभम शास्त्री बड़ामलहरा के निर्देशन में विधान पुण्यार्जक शाह कोमल चंद, चंद्र कुमार (बल्लू), अभिनेश पनवारी परिवार घुवारा द्वारा घुवारा जिनालय परिसर मे आयोजित सिद्धों की आराधना हेतु सिद्धचक्र महामंडल विधान महोत्सव एवं विश्वशांति महायज्ञ का शनिवार को समापन समारोह श्रीजी की विशाल भव्य शोभायात्रा व रथोत्सव के साथ किया गया।इस महोत्सव के अवसर पर पूज्य आर्यिका श्री विज्ञानमति माताजी सहित अन्य आर्यिकाओं के मंगल उपदेशों का लाभ प्राप्त हुआ ,साथ ही देश के ख्यातिलब्ध प्रतिष्ठाचार्य पंडित सनत कुमार विनोद कुमार रजवांस का निर्देशन व शास्त्र प्रवचन और पं. रमेश चंद भौंयरा, दीपचंद, मनोज शास्त्री ने विधि विधान में अपनी सहभागिता प्रदान की। घुवारा स्थित सभी जैन मंदिर कमेटी व सकल जैन समाज ने विधान पुण्यार्जक पनवारी परिवार का प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया। पवन घुवारा टीकमगढ,मा. स्वरूप चंद व राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित मा.अजित कुमार मडदेवरा, राजेश रागी, सुकमाल गोल्डी परिवार बकस्वाहा सहित क्षेत्रीय समाज के प्रतिनिधियों ने अभिवादन तथा पनवारी परिवार की ओर से चंद्रशेखर बल्लू ने आभार व्यक्त किया। **राजेश जैन रागी वरिष्ठ पत्रकार बकस्वाहा**

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में दीक्षा कल्याणक महोत्सव मनाया

इटखोरी. शाबाश इंडिया। 1008 श्री शीतलनाथ भगवान के जन्मस्थली भदलपुर इटखोरी ग्राम में भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में आज तीसरा दिन दीक्षा कल्याणक महोत्सव बहुत धूम धाम से मनाया। दीक्षाकल्याणक महामहोत्सव

मे श्रमण मुनि श्री विशल्यसागर जी गुरुदेव के सनिध्य मे आज तीर्थंकर बालक शांति कुमार का सुबह मंगल बेला में राज्याभिषेक किया गया। तत्पश्चात दिगविजय यात्रा निकली। इसी बीच गुरुदेव के मंगल उद्दबोधन सुनने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ पू. गुरुदेव ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज का दिन इतना महत्वपूर्ण है कि इसका उद्देश्य संसार में पर्यटन नहीं भौक्तिता की दौड़ मे नहीं जीना है बल्कि जीवन को मंदिर बनाकर जीना है। मन के द्वारा अंतरंग में प्रवेश कर जाना ही मंदिर में पहुँचना है। जन्म लिया है ऐसा जन्म जो पदार्थों की दौड़ तक हो,परमार्थ तक न पहुँचे तो जन्म हमारा निरर्थक है। जब यह जीव परमार्थ की दौड़ में चलता है तो उसका जन्म कल्याणक के रुप में मनाते है। बोध और बोधि का समन्वय होना जरूरी है।धार्मिक नही बनना धर्मात्मा बनना। धर्मात्मा के अंदर धर्म कण-कण में बास करता है धार्मिक दो चार घंटे के लिए बनता है धर्मात्मा जीवन भर के लिए रहता है,धर्मात्मा इसलोक को सुधारता हैसभी कार्यक्रम प्रतिष्ठचार्य अजित जी शास्त्री और कोडरमा के पंडित अभिषेक जैन के साथ संघस्थ अलका दीदी ओर भारती दीदी के निर्देशन में हो रहा है। **मीडिया प्रभारी जैन राज कुमार अजमेरा**

महावीर इंटरनेशनल औरंगाबाद-अहमदनगर सम्भाग

सम्भागीय अधिवेशन "पीड़ित मानवता की सेवा के लिए जागरूकता" के संदेश के साथ सम्पन्न

औरंगाबाद. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल औरंगाबाद-अहमदनगर सम्भाग का होटल द वन में आयोजित सम्भागीय अधिवेशन बड़े हर्षोल्लास के साथ मिशन-2023 को ध्यान में रखते हुए महावीर इंटरनेशनल के अंर्तराष्ट्रीय महासचिव वीर अनिल जैन दिल्ली के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस मौके पर वीर अनिल जैन ने कहा कि जब हमें पता है कि पिछले 47 वर्षों से महावीर इंटरनेशनल नेक इरादों के साथ मानव सेवा के कार्यों में अग्रसर है तो शहर का प्रत्येक समाज सेवी इस संस्था का सदस्य क्यों नहीं है, हमें हर उस व्यक्ति को इस संस्था का सदस्य बनाना चाहिए जो पीड़ित मानवता की सेवा में दिलचस्पी रखता है साथ ही उन्होंने कहा समाज सेवा से पहले व्यक्तिगत दोस्ती करना जरूरी है तभी हम मिलजुलकर समाज सेवा कर सकते हैं। उन्होंने कहा मैं तो हमारे अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष वीर शांति कुमार

जैन का संदेश आप तक पहुंचाने आया हूँ। जुबान मेरी अवश्य परन्तु शब्द हमारे अध्यक्ष के हैं उनके इस मार्गदर्शन ने सभी वीर-विराओं में जोश भर दिया। अंतराष्ट्रीय डायरेक्टर वीर रमेश बाफना एवं वीर गौतमचंद बरमेचा अहमदनगर का मार्गदर्शन भी मिला। कार्यक्रम का आयोजन महावीर इंटरनेशनल औरंगाबाद, मैट्रोसिटी, मैजिक वीरा एवं मिराकल यूथ आदि चारों केंद्रों द्वारा सम्भागीय अध्यक्ष वीर राजकुमार जैन एवं गवर्निंग काउंसिल सदस्य वीर विकास पाटनी एवं मैट्रोसिटी के संस्थापक अध्यक्ष वीर डॉ अनिल जैन के मार्गदर्शन में किया गया। उपरोक्त संस्थाओं के अध्यक्षों वीर पारस तातेड़, वीर नरेश बोथरा, वीरा संगीता ओसवाल आदि ने शॉल भेंट करके मुख्य अतिथियों का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में सम्भाग के लगभग 130 प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही।

वेद ज्ञान

अच्छे गुणों से जीवन संवारें...

संसार में होकर संसार के न होने की बात भगवान महावीर ने नहीं की। महात्मा गौतम बुद्ध, ईसा, मुहम्मद, नानक, आचार्य तुलसी आदि उन सब धर्म-पुरुषों और मुनियों ने भी यही कहा, क्योंकि उन्होंने जीवन की अतुल गहराइयों में प्रवेश करके उसकी वास्तविकताओं को देखा, समझा और परखा। संसार का मायाजाल मकड़ी के जाल की भांति है। जो जीव उसमें एक बार फंस जाता है, वह निकल नहीं पाता। यही दुख का कारण भी है और केंद्र भी है। पूरे विश्व की स्थिति का आकलन करें, तो पाएंगे कि लोग बहुत दुखी हैं। सबके सामने समस्याएं हैं। समाज में गरीबी, अपराध, हिंसा, लूट, अपहरण, तनाव आदि की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। दूसरी ओर देखेंगे तो पाएंगे कि सुविधा और साधनसंपन्न लोग भी हैं, जो ऐशोआराम का जीवन जी रहे हैं। जीवन के प्रति जैसा हमारा नजरिया होता है, जीवन वैसा ही बनता चला जाता है। विचारक फ्रांकोइस गॉटर ने कहा था-'फूल अपने आप खिलते हैं-हम बस उसमें थोड़ा पानी डाल सकते हैं।' इसी तरह, हर व्यक्ति को अपने जीवन में कुछ नया करने, सपने बुनने और उन्हें साकार करने की तत्परता दिखानी होगी। तभी दुख को सुख में बदला जा सकेगा। जब दुख के कारणों पर विचार करते हैं, तो अजीब-सी स्थिति सामने आती है। कोई परिवार बड़ा होने के कारण दुखी है, तो कोई परिवार न होने के कारण दुखी है। फ्रांस के दार्शनिक रेने देकार्त के अनुसार भुलावे की खुशी हमारे जीवन में कई दफा ज्यादा मायने रखती है, बजाय दुख के। दूसरों पर आरोप लगाना आदमी की सहज वृत्ति होती है। इस बात पर कोई विचार करना नहीं चाहता कि अपने दुख का कारण कहीं मैं स्वयं तो नहीं हूं। 'योर बेस्ट लाइफ नाउ' में जोएल ओस्टीन कहते हैं-'आपको अपने दिमाग में यह बात रखनी चाहिए कि आप परम परमात्मा की संतान हैं और महान चीजों के लिए बनाए गए हैं। ईश्वर ने आपको उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बनाया है और उसने आपको काबिलियत, अंतर्दृष्टि, प्रतिभा, बुद्धि और ऐसा करने के लिए अपनी अलौकिक शक्तियां दी हैं।' इन गुणों से जीवन संवारें।

संपादकीय

समावेशी न्याय सबसे महत्त्वपूर्ण अवधारणा

किसी भी लोकतंत्र में समावेशी न्याय सबसे महत्त्वपूर्ण अवधारणा होती है। यह वास्तव में जमीन पर उतरे, इसके लिए एक ऐसे तंत्र का गठन जरूरी होता है, जिससे पीड़ित तबका सहज ही अपने को जुड़ा महसूस कर सके। सुप्रीम कोर्ट में दो महिला न्यायाधीशों की पीठ के गठन का फैसला इसी दिशा में बढ़ता कदम है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश ने वैवाहिक विवाद और जमानत के मामलों से जुड़ी स्थानांतरण याचिकाओं पर सुनवाई के लिए पूरी तरह से महिला जजों की एक पीठ गठित कर दी। सुप्रीम कोर्ट में इस पीठ के गठन को भारतीय न्यायपालिका के ज्यादा लोकतांत्रिक होने के क्रम में एक बेहद अहम कदम के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि इससे पहले भी दो बार ऐसी कोशिशें सामने आ चुकी हैं। पहली बार, सन 2013 में पूरी तरह से महिला पीठ का गठन किया गया था, जिसमें न्यायमूर्ति ज्ञान सुधा मिश्रा और न्यायमूर्ति रंजना प्रसाद देसाई थीं। इसके बाद सन 2018 में न्यायमूर्ति भानुमति और न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी की पीठ गठित हुई थी। जाहिर है, न्याय की पहुंच का विस्तार करने के लिहाज से ये अहम कदम हैं, जिसमें खासतौर पर महिलाओं के नजरिए से प्रक्रिया को देखने की कोशिश की गई। दरअसल, इस तरह के कदम उठाने की जरूरत तब होती है, जब कुछ खास प्रकृति के मामलों की सुनवाई के दौरान किसी मसले को महिलाओं के नजरिए से देखने की आवश्यकता महसूस की जाती है। मसलन, भारतीय समाज का ढांचा पितृसत्तात्मक मूल्यों पर आधारित है। इसमें वैवाहिक विवादों के मूल्यांकन में एक सपाट धारणा के तहत दोनों पक्षों को देखना कई बार महिलाओं की स्थिति को कमजोर बना दे सकता है। इसलिए ऐसे विवाद में किसी महिला का पक्ष उसकी दृष्टि से समझने के लिए स्त्री-संवेदना की जरूरत पड़ सकती है। कई स्थितियों में न्याय एक जटिल प्रक्रिया से होकर गुजरता है और इसमें वास्तविक पीड़ित की पहचान के लिए कई स्तरों पर संबंधित विवाद या मुद्दे का विश्लेषण किया जाता है। ऐसे अनेक मामले सामने आते रहे हैं, जिनमें अदालतों का फैसला इस पर निर्भर होता है कि उसके सामने सुनवाई के दौरान किसका पक्ष मजबूत तरीके से रखा गया। दरअसल, भारतीय समाज में विवादों की परतें कई बार इतनी जटिल होती हैं, जिसमें यह संभव है कि ऐतिहासिक रूप से वंचना के शिकार तबके के रूप में अपना पक्ष रखते हुए कोई महिला सामाजिक आग्रहों के दबाव में कमजोर पड़ जाए। समाज मनोविज्ञान के पहलू से भी देखें तो किसी महिला की अभिव्यक्ति पर उसकी पृष्ठभूमि और आम मानस का प्रभाव हो सकता है। ऐसे समय में ही किसी ऐसे न्यायाधीश की जरूरत होती है, जो सुनवाई करते हुए खुद को महिलाओं की संवेदना से जोड़ सके और पीड़ित महिला दबाव से मुक्त होकर और कुछ जड़ ग्रंथियों से निकल कर अपना पक्ष रखने में सहजता का अनुभव करें। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

जेल में घर...

कारागार में बंद राजनीतिक रसूख वालों और दबंगों की खातिरदारी तथा जेल नियमों को ताक पर रख कर सुख-सुविधाएं उपलब्ध कराने के उदाहरण अनेक हैं। ताजा उदाहरण दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन का है। कुछ दिनों पहले उनके जेल में तेल मालिश कराते देखे जाने पर विवाद उठ खड़ा हुआ कि आखिर जेल में उन्हें ऐसी सुविधाएं कैसे मुहैया कराई जा रही हैं। तब आम आदमी पार्टी ने सफाई में कहा था कि दरअसल जैन का इलाज चल रहा है, जिसकी तस्वीर को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। मगर अब दिल्ली सरकार के गृह, कानून और सतर्कता विभाग के प्रमुख सचिवों ने अपनी जांच के बाद रिपोर्ट दी है कि सत्येंद्र जैन जेल में रहते हुए न केवल घर जैसी सुविधाओं का लाभ उठा रहे थे, बल्कि उसी कमरे में धनशोधन मामले से जुड़े अन्य आरोपियों से मिलते रहे। वहां उनके परिजन भी मिलने आते रहे। जाहिर है कि सत्येंद्र जैन अपने मंत्री होने का नाजायज फायदा उठाते रहे। हालांकि जेल में बंद सभी कैदियों के लिए एक जैसे नियम-कायदे नहीं होते। आरोपियों के लिए कुछ छूट होती है, उन्हें दोष सिद्ध कैदियों की तरह रखा भी नहीं जाता। मगर इसका अर्थ यह नहीं है कि आरोपी होने का लाभ लेकर कोई कैदखाने का अर्थ ही भुला बैठे। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि सत्येंद्र जैन के मंत्री होने की वजह से वहां के कुछ कैदी उनकी खुशामद करने का प्रयास करते होंगे। उन्हें भरोसा होगा कि जैन एक न एक दिन जेल से बाहर निकलेंगे ही और उनकी सेवा के बदले वे अपने राजनीतिक प्रभाव से उन्हें कुछ लाभ पहुंचा देंगे। ऐसा हर जेल में देखा जाता है कि कुछ कैदी दबंगों और राजनेताओं की सेवा-टहल में लग जाते हैं। मगर सत्येंद्र जैन के मामले में ऐसा नहीं था। खुद जेल प्रशासन ने दबाव बना कर उनकी सेवा में कुछ कैदियों को नियुक्त कर दिया था। तेल मालिश करते जिस व्यक्ति की तस्वीर सामने आई, उसने कबूल किया है कि उस पर दबाव डाल कर जैन की मालिश करने को कहा गया था। जांच समिति ने तत्कालीन जेल महानिदेशक की इस मामले में मिलीभगत का उल्लेख करते हुए उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने की सिफारिश की है। हालांकि ठग सुकेश चंद्रशेखर के रिश्वत मांगने वाले लिखित बयान के बाद उन्हें पहले ही निलंबित किया जा चुका है। हालांकि किसी राजनेता या मंत्री के जेल में बंद रहते इस तरह जेल नियमों को धता बता कर घर जैसे वातावरण में रहने की छूट लेने की यह पहली घटना नहीं है। उत्तर प्रदेश और बिहार की जेलों में बंद दबंगों और राजनेताओं के जन्मदिन पर जेल में जश्न मनाने और उन्हें हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराने, यहां तक कि जेल से बाहर निकल कर घूम आने तक के उदाहरण हैं। पटना उच्च न्यायालय ने तो ऐसी घटनाओं पर बहुत कठोर टिप्पणी की थी। मगर सत्येंद्र जैन का ताल्लुक ऐसी राजनीतिक पार्टी से है, जो आचरण की शुचिता की दुहाई देते नहीं थकती। वह दावा करती फिरती है कि उसके नेता किसी भी रूप में अपनी ताकत का बेजा इस्तेमाल नहीं करते। फिर सत्येंद्र जैन कैसे उन सिद्धांतों को भुला बैठे। उन पर आरोप सही है या गलत, यह तो अदालत में सिद्ध होगा, मगर वे खुद को जेल में रहते हुए मुक्त कैसे मान सकते हैं। यह उनके अपने सरकारी रुतबे का दुरुपयोग नहीं तो और क्या है?

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन जिनालय

भव्यता से मनाई गई वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव की 28वीं वर्षगाँठ

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। सर्वोदय कॉलोनी स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन जिनालय की वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव की 28 वीं वर्षगांठ रविवार को बड़ी भव्यता से मनाई गई। प्रतिष्ठा महोत्सव के तीन दिवसीय कार्यक्रम में रविवार को शान्ति विधान मंडल का आयोजन हुआ। विधान पूजन व अर्घ समर्पण बड़े भजन भाव व भक्ति नृत्य के साथ पंडित धन्यकुमार जैन ने सम्पन्न कराया, जिसमें सभी ने अर्घ चढ़ाकर धर्म लाभ लिया। इससे पूर्व जिनाभिषेक व शांतिधारा की गई। शांतिधाराकर्ता में कमल कासलीवाल, सुभाष गंगवाल, छीतरजी गदिया, प्रवीण सौगानी, नवीन पाटनी, पवन बाकलीवाल, अशोक सुरलाया, प्रवीण छाबड़ा, दिनेश पाटनी, अनिल गंगवाल, अभय जैन, विनय पाटनी आदि परिवार शामिल थे। शाम को महाआरती की गई, जिसके लिए मुख्य आरती की थाली कमल कासलीवाल-इंद्रा कासलीवाल के घर से ठाठ बाठ से लाई गई। इसके अलावा घर-घर से भी आरती सजाकर लाई गई जिसमें सभी कॉलोनी वासी रहे। इससे पूर्व शनिवार को प्रातः भगवान मल्लीनाथ का जन्म व तप कल्याणक और भगवान नमिनाथ का ज्ञान कल्याणक मनाया गया तथा शाम को भजन संध्या, जाप व चालीसा पाठ आदि का आयोजन किया गया, जिसमें धनजी लुहाड़िया, कमल कासलीवाल, मंगलचंद पाटनी, मधु पाटनी, रेखा बाकलीवाल, अंतिमा गदिया, नीलिमा पाटनी, भागचंद जैन, सुभाष गंगवाल, अनामिका सुरलाया, निधि गदिया, गुणमाला गंगवाल आदि ने अपनी प्रस्तुतियां दी। जिनालय समिति के अध्यक्ष विजय दनगसिया व मंत्री विनय गदिया ने बताया कि जिनालय की वेदी प्रतिष्ठा दिसंबर 1994 में हुई थी, जिसकी मांगलिक क्रियाएँ आचार्य विद्या सागर जी महाराज के परम शिष्य मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज के ससंघ सानिध्य में सम्पन्न हुई थी, जबकि जिनालय की शुरूआत वर्ष 1986 में ही हो गई थी। यहाँ त्रिपुटी भगवान शांतिनाथ, कुंथुनाथ व अरहनाथ भगवान की खड्गासन प्रतिमाएँ विराजमान है। वर्षगांठ के अवसर पर संस्थापक सदस्य सुशील दोषी, रूपचंद छाबड़ा, अशोक गोधा, नरेंद्र दोषी, दीपक पाटनी, अभय जैन, पारस मल पाटनी, माणक गंगवाल, मनीष पाटनी, मुकुल सौगानी, योगेंद्र गदिया, मुकेश पाटनी, सत्यनारायण सौगानी, वीरेंद्र पाटनी, अनिल पाटनी सहित कई महानुभव उपस्थित थे। इस अवसर पर शांतिनाथ महिला मंडल का भी सक्रिय सहयोग रहा।

गजरथ महोत्सव में उमड़ा आस्था का अपार जनसैलाब

भगवान के समान बनने की चाह रखना चाहिए : मुनि श्री सुप्रभसागर

सम्पन्न हुआ पंचकल्याणक एवं गजरथ महोत्सव

बानपुर, ललितपुर. शाबाश इंडिया

कस्बा बानपुर में बस स्टैंण्ड स्थित महाराजा मर्दन सिंह क्रिकेट ग्राउंड बानपुर में आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के सुयोग्य शिष्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, मुनि श्री समत्व सागर जी महाराज, श्री प्रणत सागर, मुनि श्री सौम्यसागर, मुनि श्री साक्ष्य सागर, मुनि श्री निवृत्तसागर के मंगल सान्निध्य में चल रहे श्री मज्जिनेन्द्र शांतिनाथ चौबीसी तथा मानस्तम्भ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा, विश्वशांति महायज्ञ एवं गजरथ महोत्सव में रविवार को महोत्सव के आखरी दिन तीर्थंकर शांतिनाथ भगवान का मोक्षकल्याणक भारी आस्था श्रद्धा के साथ मनाया गया। 10.30 बजे से जिन बिम्ब स्थापना की गई। इस अवसर पर दोपहर में 2 .12 बजे से गजरथ महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें आस्था का अपार जनसैलाब उमड़ पड़ा। महोत्सव के प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ने बताया कि रविवार को मोक्षकल्याणक की क्रियाएं प्रातः पात्र शुद्धि ,अभिषेक, शन्तिधारा, नित्य महापूजन के साथ आरंभ हुई। तीर्थंकर भगवान मल्लिनाथ को प्रातः मोक्ष की प्राप्ति हुई। जैसे ही तीर्थंकर भगवान के मोक्ष जाने की घोषणा प्रतिष्ठाचार्य ने की उपस्थित हजारों भक्तों ने जयकारों से आकाश गुंजायमान कर दिया, लोग खुशी से नृत्य करने लगे। विविध प्रकार के वाद्ययंत्र बजाए गए। भगवान के नख, केश, पिच्छि, कमण्डल तथा काजल की डिबिया, आभूषण, झारी, सलाई, बाजूबंद आदि को प्राप्त करने का सौभाग्य श्रेष्ठियों ने प्राप्त किया। मोक्ष कल्याणक की पूजन की गई। आयोजन के अंतिम दिन विश्व शांति की कामना के साथ विश्व शांति महायज्ञ पूणार्हुति हवन किया गया। शांतिपाठ और विसर्जन भी किया गया। सभी मुनिराज गजरथ फेरी में शामिल रहे।

इस दौरान गजरथ परिक्रमा में संगीतकार भजन गाकर माहौल को भक्तिमय बनाए हुए थे,तो अनेक बैंड बजे उदघोष से आकाश गुंजायमान करते हुए चल रहे थे। परिक्रमा के बाद श्रीजी का अभिषेक विधि- विधान के साथ सम्पन्न हुआ। शांतिनाथ के जैसा स्वरूप प्राप्त हो : मुनि श्री सुप्रभ सागर जी मुनिराज ने इस अवसर पर उमड़े अपार जनसैलाव को अपने अमृत वचनों से अभिसिंचित करते हुए कहा कि आज मोक्ष गए शांतिनाथ भगवान से हम प्रार्थना करें कि जो स्वरूप आपने प्राप्त किया है वह

हमें भी प्राप्त हो। तीर्थंकर भगवान कषाय, काय से रहित हुए, अभी हम इन दोनों से युक्त हैं। हमें दूसरे के समान नहीं इन्हीं भगवान के समान बनने की चाह रखना चाहिए। मोक्षगमन को देखना इस निश्चय को दोहराना है कि जीवन के सभी कार्य तब तक सफल नहीं कहे जा सकते जब तक उसका अंतिम लक्ष्य मोक्षगमन न हो। उन्होंने कहा कि तीर्थंकर भगवान कषाय, काय से रहित हुए, अभी हम इन दोनों से युक्त हैं।

चरमोत्कृष्ट आस्था है मोक्ष

मुनि श्री समत्व सागर ने कहा कि वास्तव में मोक्षगमन जैन दर्शन के चिंतन की चरमोत्कृष्ट आस्था है जो प्रत्येक हृदय में फलित होना चाहिए। समस्त कल्याणक महोत्सव का यह सरताज है। विधि विधान ब्रह्मचारी साकेत भैया के निर्देशन में में मुख्य प्रतिष्ठाचार्य पंडित मुकेश 'विन्नम' गुड़गांव, प्रतिष्ठाचार्य डॉ हरिश्चन्द्र जैन सागर, पंडित निर्मल जैन गोंदिया महाराष्ट्र, पंडित अखिलेश जैन रमगड़ा के प्रतिष्ठाचार्योत्व में सम्पन्न हुआ। इस दौरान अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार जैन चूना ललितपुर ,कार्याध्यक्ष महेंद्र कुमार नायक बानपुर, उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंघई बानपुर ,महामंत्री अखिलेश चौधरी (क्षेत्र समिति), दिनेश कुमार जैन टीकमगढ़ ,उपमंत्री अनूप जैन मोंटू, जय मड़वैया,सोनू विशाल, मुख्य संयोजक सिंघई इंद्रकुमार जैन बानपुर, सह संयोजक नितिन मड़वैया, प्रासु सराफ, कोषाध्यक्ष राजेश सिंघई उपकोषाध्यक्ष पंकज मड़वैया, राजेंद्र सिंघई, प्रमेंद्र नायक, प्रदीप मड़वैया, स्वागत अध्यक्ष अमित जैन राजा कारी, अभिषेक मैनवार, मीडिया प्रभारी डॉ सुनील संचय ललितपुर, कपिल सराफ , जुलूस संयोजक सुनील होन्डा, राजेश जैन भट्टो, नीरज मिठया , ललितपुर से ज्ञानचंद इमलिया, मनोज बबीना, अजित खजुरिया, अक्षय अलया, धन्यकुमार एडवोकेट, मनोज जैन, कुशलचन्द्र एडवोकेट, शादीलाल एडवोकेट, चंचल पहलवान आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

रथयात्रा के साथ दस दिवसीय महाकुंभ का हुआ समापन

भगवान महावीर की उत्सव प्रतिमा को किया मंदिर में विराजमान

तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय परिवार ने की भगवान महावीर की भू गर्भ से प्रकटित मूलनायक प्रतिमा की शांतिधारा

जयकारों के बीच महामस्तकाभिषेक-क्षेत्र कमेटी ने किया पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव कमेटी का सम्मान

जयपुर/ श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

गत 24 नवम्बर से दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में चल रहे दस दिवसीय महाकुंभ का रविवार को रथयात्रा के साथ समापन हो गया। इस दौरान 24 नवम्बर से 28 नवम्बर तक पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव तथा 27 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव सम्पन्न हुआ। चांदनपुर वाले बाबा के नाम से पूरे विश्व में प्रसिद्ध भूगर्भ से प्रकटित 1100 वर्ष प्राचीन भगवान महावीर की मूंगावर्णी अतिशयकारी प्रतिमा के महामस्तकाभिषेक महोत्सव में आठवें एवं अंतिम दिन रविवार को तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय मुरादाबाद परिवार ने कुलपति सुरेश जैन लुहाड़िया के नेतृत्व में अंतिम कलश एवं शांतिधारा की। महामस्तकाभिषेक महोत्सव के अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चार के साथ महामस्तकाभिषेक किये। इन आठ दिनों के दौरान पुण्यार्जक श्रद्धालुओं एवं इन्द्र-इन्द्राणियों द्वारा 2651 कलशों से भगवान का महामस्तकाभिषेक किया गया। महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि रविवार को टीले से निकली अतिशयकारी 1 हजार वर्ष प्राचीन भगवान महावीर की मूंगावर्णी मूलनायक प्रतिमा के विनोद कुमार जैन ने वर्धमान कलश के माध्यम से प्रथम महामस्तकाभिषेक किये। नवरत्न कलश के माध्यम से समाजश्रेष्ठी एस पी जैन एवं परिवारजनों द्वारा द्वितीय कलश, रत्न कलश के माध्यम से अर्जुन जैन ने तृतीय कलश का पुण्यार्जन किया। इस मौके पर भारत सरकार में संयुक्त सचिव वैभव बजाड़, आईं ए एस राहुल जैन, करौली एस पी नारायण टोगस, कोटा

एडीशनल एसपी पवन जैन श्री वीर सेवक मण्डल जयपुर के अध्यक्ष महेश काला, समाज श्रेष्ठी अजय काला सहित कई गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने सहभागिता निभाई। चरण छतरी के नजदीक नव प्रतिष्ठित 24फुट 1इंच की उतंग खड्गासन बिजोलिया पत्थर से निर्मित भगवान महावीर की प्रतिमा के सैकड़ों श्रद्धालुओं द्वारा जयकारों के बीच मंत्रोच्चार के साथ महामस्तकाभिषेक किये गये। महामस्तकाभिषेक महोत्सव के दौरान अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, कार्याध्यक्ष विवेक काला, उपाध्यक्ष एस के जैन, सी पी जैन, महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी, कोषाध्यक्ष उमरावमल संघी, मुख्य संयोजक सुभाष चन्द जैन, संयोजक सुरेश सबलावत, राकेश सेठी, प्रबंध समिति एन के सेठी, सुभद्र कुमार पाटनी, पूनमचंद शाह, डॉ कमल चन्द सौगानी, नगेन्द्र कुमार जैन हेमन्त सोगानी, अशोक जैन, कमल कुमार बड़जात्या, जस्टिस नरेन्द्र कुमार जैन, देवेन्द्र कुमार जैन, सतीश अजमेरा, सुधीर कासलीवाल, डॉ पदम कुमार जैन, प्रदीपकुमार जैन, अनिल पाटनी (दीवान), रुपिन काला, पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति अध्यक्ष राज कुमार कोठ्यारी, संयोजक योगेश टोडरका , सदस्य प्रदीप ठोलिया एवं जनमंगल कलश समिति समन्वयक देवेन्द्र अजमेरा, प्रशासनिक समन्वयक भारत भूषण जैन, मनीष बैद, प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा, अजीत पाटनी, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने सहभागिता निभाई। आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में रविवार को प्रातः 8.15 बजे से हुए महामस्तकाभिषेक भगवान महावीर स्वामी की भूगर्भ से प्रकटित मूंगावर्णी मूलनायक प्रतिमा का महामस्तकाभिषेक करने हेतु श्रद्धालु नाचते गाते शुद्ध पीत वस्त्र धारण कर बैण्ड बाजों के साथ विशाल जुलूस के रूप में मुख्य मंदिर पहुंचे। इस मौके पर पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। कार्याध्यक्ष विवेक काला एवं मुख्य संयोजक सुभाष चन्द जैन के मुताबिक लगभग 501 कलशों से पुण्यार्जक परिवारों के सैकड़ों श्रद्धालुओं द्वारा ज्योति कलश, स्वर्ण कलश, रजत कलश, ताम्र कलश, शुभ मंगल कलश, जन मंगल कलश के माध्यम से आठवें दिन जयकारों के बीच मंत्रोच्चार से महामस्तकाभिषेक किये गये। आचार्य वर्धमान सागर महाराज के मुखारविंद से शांतिधारा का उच्चारण किया गया। पुण्यार्जक तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय परिवार द्वारा मंत्रोच्चार के साथ विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए भगवान के सिर पर शांतिधारा की गई।

@...पेज 7 पर

दस दिवसीय महाकुंभ का समापन....

गत 24 नवम्बर से दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी में चल रहे दस दिवसीय महाकुंभ का रविवार को रथयात्रा के साथ समापन हो गया...

जयपुर/ श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया

इस मौके पर आचार्य विमल सागर महाराज, आचार्य वैराग्य नन्दी महाराज,गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी, सृष्टि भूषण माताजी ससंघ सहित कई संतों का सानिध्य प्राप्त हुआ। भगवान महावीर की आरती के बाद समापन हुआ। इससे पूर्व पाण्डाल में दोपहर 3.00 बजे से आयोजित सम्मान समारोह में प्रतिष्ठाचार्य पं.हसमुंख जैन धरियावद वालों का तथा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष राज कुमार कोठ्यारी, संयोजक योगेश टोडरका एवं सदस्य प्रदीप ठोलिया सहित पूरी समिति का तथा सहयोगियों का तिलक, माल्यार्पण, प्रशस्तिपत्र एवं भगवान महावीर का चित्र भेंट कर क्षेत्र कमेटी की ओर से अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी के नेतृत्व में सम्मान किया गया। इस मौके पर आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं आचार्य विमल सागर महाराज ने आशीर्वचन देते हुए इस विशाल आयोजन के सफलतापूर्वक संपन्न होने हेतु सभी पदाधिकारियों, कार्यक्रताओं तथा अन्य सभी सहयोगियों को आशीर्वाद दिया। अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल ने स्वागत उदबोधन दिया। क्षेत्र कमेटी के मानद मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने महोत्सव की पूरी रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में दोपहर बाद पाण्डाल से विशाल रथयात्रा निकाली गई जिसमें उत्सव प्रतिमा को विराजमान कर जुलूस के रूप में बैण्ड बाजों के साथ मंदिर तक लाया गया। रथ पर सारथी के रूप में समाजश्रेष्ठी रामभज जैन पानीपत, क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल बैठे। प्रतिमा लेकर योगेश टोडरका एवं प्रदीप ठोलिया बैठे। रथयात्रा बाजार में होते हुए मुख्य मंदिर पहुंची जहां उत्सव प्रतिमा के अभिषेक, शांतिधारा के बाद श्री जी को जयकारों के बीच वेदी में विराजमान किया गया। अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं महामंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी ने बताया कि रविवार को रात्रि में 8.00 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में भगवान महावीर के वृत्त चित्र का प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण शामिल हुए। सोमवार,05 दिसम्बर से मंदिर दर्शन का समय पूर्व की भांति रहेगा। दर्शनार्थियों को प्रातः 5.00 बजे से रात्रि 9.30 बजे तक दर्शन हो सकेंगें। रविवार को महोत्सव में ज्ञान चंद झांझरी, प्रदीप जैन लाला,नरेश रावका, विनोद छाबड़ा मोनू, अजय कटारिया ,विजय कटारिया, सुधीर गंगवाल, प्रकाश चांदवाड, राजेन्द्र काला, मनीष चौधरी, दिलीप जैन,संजय काला, नरेश रावका, सुशील जैन, जे के जैन कालाडेरा, उजास जैन आदि ने भी सहभागिता निभाई।

निस्वार्थ भाव से सेवा प्रदान की

मस्तकाभिषेक महोत्सव में जैन बैंकर्स फोरम के 165 सदस्यों ने 24 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक आयोजित पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव में अध्यक्ष भाग चन्द जैन मित्रपुरा,कार्याध्यक्ष पदम बिलाला,सुकेश काला एवं अन्य पदाधिकारियों के नेतृत्व में भोजन शाला एवं अन्य क्षेत्रों में निस्वार्थ भाव से सेवा प्रदान की।

सोमवार 5 दिसम्बर को होगा महावीर विधान

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में सोमवार,5 दिसंबर को दोपहर में 1.00 बजे से आचार्य वर्धमान सागर महाराज, गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ सानिध्य में श्री महावीर विधान पूजा की जाएगी।

दो दिवसीय वेदी शुद्धीकरण प्रतिष्ठा महोत्सव का हुआ भव्य समापन

नवीन वेदियों में विराजे श्री जी

फागी,चौरू. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर चौरु ग्राम में चल रहे दो दिवसीय वेदी शुद्धीकरण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं कलशारोहण कार्यक्रम का आज आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी, आर्यिका सुबोधमति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य प्रतिष्ठाचार्य सुरेशकुमार शास्त्री निवाई वालों के दिशानिर्देश में विभिन्न मंत्रोचारणों के बीच भव्य समापन हुआ । जैन समाज के राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि उक्त कार्यक्रम में महावीर प्रसाद -मनीष कुमार पाटनी चौरु निवासी जयपुर वासी ने मुख्य वेदी में मूलनायक आदिनाथ भगवान की जिन प्रतिमा विराजमान करने का सोभाग्य प्राप्त किया।इसी कड़ी में मुनि सुव्रतनाथ भगवान की जिन प्रतिमा तेजकरण- नितिन कुमार गंगवाल, सुपार्श्वनाथ भगवान की जिन प्रतिमा महेन्द्र कुमार - प्रवीणकुमार, महावीर भगवान की जिन प्रतिमा केलास चंद - राजकुमार, पार्श्वनाथ भगवान की जिन प्रतिमा महावीर प्रसाद -केलासचंद बाकलीवाल, सहित सभी परिवार जनों ने मुख्य वेदी में जिन प्रतिमाएं विराजमान करने का सोभाग्य प्राप्त किया। दूसरी वेदी में आदिनाथ भगवान की प्रतिमा कैलाशचंद राजकुमार ,नेमीनाथ भगवान की जिन प्रतिमा पदमचंद -पवन कुमार पाटनी, पार्श्वनाथ भगवान की जिन प्रतिमा रतनलाल- महन्ती लाल पाटनी, चंद्र प्रभु भगवान की जिन प्रतिमा प्रकाश चंद, पारस चंद, पूरणमल गंगवाल ने विराजमान करने का सोभाग्य प्राप्त किया । अन्य वेदियों में पाषाण कि जिन मूर्तियों में आदिनाथ भगवान की प्रतिमा रतनलाल- नीरज कुमार जी पाटनी, सुपार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा राजेंद्र

कुमार, पारस चंद, ज्ञान चंद गंगवाल, शीतल नाथ भगवान की प्रतिमा भंवरलाल- नरेंद्र कुमार पाटनी, अभिनंदन भगवान की प्रतिमा गंगवाल परिवार के बच्चे, तथा प्रकाश चंद, पारस कुमार, पूरणमल गंगवाल ने शिखर कलश चढ़ाकर पुण्यार्जन प्राप्त किया। मंदिर समिति के कैलाश चंद गंगवाल ने अवगत कराया कि इससे पूर्व प्रातः श्रीजी का अभिषेक, शांति धारा, अष्टद्रव्यों से पूजा हुई, तथा सुख समृद्धि की कामना के लिए हवन में आहुतियां दी गई, इसी कड़ी में प्रकाश गंगवाल, तेजकरण गंगवाल, महावीर बाकलीवाल ने संयुक्त रूप से अवगत कराया कि नवीन वेदियों में कुल 33 जिन प्रतिमाएं विराजित की गई ।कार्यक्रम में जयपुर, किशनगढ़, दूदू, मालपुरा, मौजमाबाद, चकवाड़ा, चौरू,नारेडा, मंडावरी, फागी, सहित अन्य स्थानों से श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाते हुए धर्म लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम बाद आर्यिका संघ का चकवाडा के लिए विहार हुआ। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन जितेंद्र कुमार जैन गंगवाल निमोडिया ने किया।

उत्तम जैन को मिला विशेष योग्यजन सम्मान

राजस्थान सरकार ने दूसरी बार किया सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिव्यांगो के क्षेत्र में सक्रिय एवं लगातार 10 वर्षो से कार्य कर रहे दिव्यांग जगत के सम्पादक,उम्मीद हेल्पलाइन फाउंडेशन के अध्यक्ष उत्तम जैन को विश्व विकलांग दिवस पर राजस्थान सरकार द्वारा ₹सर्वश्रेष्ठ विशेष योग्यजन₹ सम्मान से जयपुर के ओटीएस सभागार में सम्मानित किया गया। जैन ने यह सम्मान देश के करोड़ों दिव्यांगो को समर्पित किया हैं जिनके आशीर्वाद से यह सब संभव हो रहा हैं। उत्तम जैन कई वर्षो से दिव्यांगो के क्षेत्र में उन्हें जागरूक करने एवं उनके अधिकारों के लिए प्रयासरत हैं। उत्तम जैन 2016 में भी राजस्थान सरकार द्वारा प्रेरणा स्रोत राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित हो चुके हैं।कार्यक्रम में उत्तम जैन को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मंत्री टीकाराम जूली, विशेष योग्यजन आयुक्त उमाशंकर शर्मा आईएएस, समित शर्मा, शासन सचिव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर के हाथों सम्मानित गया।

विद्याधर नगर में खुला टेक्नोग्लोब का 22 वां सेंटर

जयपुर. शाबाश इंडिया। टेक्नोग्लोब के 22वें सेंटर का आज विद्याधर नगर में उद्घाटन आईआईएम के चेयरमैन डॉ. रवि गोयल ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर टेक्नोग्लोब कंपनी के डायरेक्टर शिराज खान और अन्य टीम सदस्य अफशा खान, डॉ. चैरी जैन, सुश्री प्रियंका सिंह और मोहम्मद यूसुफ भी मौजूद रहे। कंपनी की जनरल मैनेजर डॉ.चैरी जैन ने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से विद्याधर नगर क्षेत्र के विद्यार्थियों को स्किल डेवलपमेंट के कोर्सेज करवा कर रोजगार दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसके बाद जयपुर के बाहर राजस्थान के अन्य शहरों मे भी टेक्नोग्लोब के सेंटर्स खोले जाएंगे। इस मौके पर मुख्य अतिथि रहे आईआईएमएम के चेयरमैन डॉ. रवि गोयल ने स्किल डेवलपमेंट का महत्व बताया और कहा कि इस क्षेत्र में इस तरह के सेंटर की बहुत ज्यादा जरूरत थी और इस सेंटर के खुल जाने से यहां के विद्यार्थियों को बहुत लाभ मिलेगा ।विद्याधर नगर की सेंटर की डायरेक्टर मधु मीना ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com